# जन्नत और जहन्नम के हालात का बयान (बुखारी शरीफ)

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

हिन्दी किताब एक हजार मुन्तखब हदीसे बुखारी शरीफ 'नरम-दिली का बयान' से रिवायत का खुलासा है.

नोटः- 'हदीष की रिवायत का खुलासा है'.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

* रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - जहन्नम नफ्सानी इच्छाओ से ढाप दी गई है, और जन्नत मुश्किलो और दुशवारियो से ढकी हुई है.

वजाहत- अल्लाह तआला का फरमान है सूरे नाजिआत/७९, आयत ३७/४१ तर्जुमा- जिसने सरकशी (अल्लाह व रसूल की नाफरमानी) करते हुवे दुन्यावी ज़िन्दगी को तरजीह दी तो दोजख ही उस्का ठिकाना होगा, और जिसने अपने रब के सामने पेश होने का खौफ किया और नफ्स को बुरी इच्छाओ से बाज रखा उस्का ठिकाना जन्नत में होगा.

* रावी हज़रत अब्दुल्लाह रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - जन्नत तुम्हारी जूते के फीते से जियादा करीब है, इसी तरह जहन्नम भी बेहद करीब है.

वजाहत- इन्सान सवाब की बात को मामूली और बेकीमत ख्याल ना-करे शायद अल्लाह तआला को वोही पसन्द आ-जाये और उस्की निजात का जरिया बन जाये, इसी तरह गुनाह की बात को मामूली ख्याल ना-करे शायद अल्लाह तआला नाराज होकर उसे जहन्नम में डाल दे. (फत्हुल बारी)

* रावी हज़रत अब्दुल्लाह रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - कयामत के दिन सब्से पहले लोगो में खून (कत्ल) का फैसला किया जायेगा.

वजाहत- एक हदीस में है की सब्से पहले नमाज का हिसाब होगा. मतलब ये है की अल्लाह के हुकूक में सब्से पहले नमाज का और बन्दो के हुकूक में सब्से पहले खूने नाहक का फैसला किया जायेगा. (फत्हुल बारी)

* रावी हज़रत इबने उमर रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - जब जन्नत वाले जन्नत में और जहन्नम वाले जहन्नम में पोहच जायेगे तो मौत को (मेंढे

की शक्ल में) जन्नत और दोजख के दरमियान लाकर जिबाह कर दिया जायेगा. फिर एक पुकारने वाला पुकारेगा- ऐ जन्नत वालो तुम्को मौत नहीं आयेगी, और ऐ जहन्नम वालो तुम्को भी मौत नहीं आयेगी. ये ऐलान सुनने के बाद जन्नत वालो को खुशी पर खुशी होगी और जहन्नम वालो के रंज़ व गम में और जियादा इजाफा हो जायेगा.

* रावी हज़रत अबू सईद खुदरी रदी. | रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - अल्लाह तआला जन्नत वालो से फरमायेगे- ऐ जन्नत वालो वे अर्ज़ करेंगे परवरदिगार हम हाजिर है, इरशाद हो. अल्लाह तआला फरमायेगे अब तुम राज़ी हो? वे अर्ज़ करेंगे अब भी खुश ना होगे जब्की आपने हमे ऐसी-ऐसी नेमते अता फरमाई है जो अपनी सारी मखलूक में से किसी को नहीं दीं. फिर अल्लाह तआला इरशाद फरमायेगे- हम इस्से बढकर एक चीझ तुम्हे इनायत करते है. वे अर्ज़ करेंगे या अल्लाह तआला! वह क्या चीझ है जो इस्से बेहतर है? तब अल्लाह तआला फरमायेगे- हमने अपनी रज़ा तुम्हे अता कर दी, अब हम तुम्से (कभी भी) नाराज नहीं होगे.

वजाहत- अल्लाह तआला जन्नत वालो से एक और अन्दाज से भी गुफ्तगू करेंगे, फिर उन्हे अपनी जियारत से सम्मानित करेंगे. अल्लाह तआला का दीदार ऐसी नेमत होगी की उस्से बढकर जन्नत वालो को और कोई नेमत प्यारी ना होगी. (फत्हुल बारी)

*** रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.| नबी करीम ﷺ ने फरमाया कयामत के दिन काफिर के दोनो कन्धो के बीच का फासला तेज-रफ्तार सवार के तीन दिन के चलने के बराबर होगा.**

वजाहत- मैदाने मेहशर में फखर व गुरूर में मुब्तला काफिरो को जलील व ख्वार करने के लिये चींटियो की शक्ल में लाया जायेगा, फिर जहन्नम में उनके जिस्मो का आकार बढा दिया जायेगा ताकी अजाब की शिद्दत में इजाफा हो. (फत्हुल बारी)

*** रावी हज़रत अनस बिन मालिक रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - कुछ लोग जहन्नम में जलकर काले-पीले होने के बाद वहा से निकलेगे, जब जन्नत में दाखिल होगे तो जन्नत वाले उनका नाम “जहन्नम वाले” रखेगे.**

वजाहत- एक हदीस में है की उनकी गरदनो पर “अल्लाह तआला की तरफ से आजाद किये हुवे” के अलफाज लिखे होगे. फिर वे अल्लाह तआला से दुआ करेंगे तो ये नाम भी खत्म कर दिया जायेगा. (फत्हुल बारी)

* रावी हज़रत नोमान बिन बशीर रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - कयामत के दिन सब्से हल्के अजाब वाला वह आदमी होगा जिसके दोनो पांव के नीचे दो अंगारे रखे जायेगे जिस्की वजह से उस्का दिमाग इस तरह उबलेगा जिस तरह हांडी जोश मारती है.

वजाहत- एक हदीस में है की देखने वाला उस अजाब को बहुत बडा ख्याल करेगा हालाकी उसे बहुत ही हल्का अजाब दिया जा रहा होगा. “अल्लाह तआला हमे उस्से अपनी पनाह में रखे.” (फत्हुल बारी)

* रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.| रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया - कोई आदमी जन्नत में दाखिल नहीं होगा जब तक उसे जहन्नम में उस्का ठिकाना ना दिखा दिया जायेगा, की अगर नाफरमानी की होती तो उसे दोजख में ये जगह मिलती ताकी वो और जियादा शुक्र अदा करे. इसी तरह कोई आदमी जहन्नम में दाखिल नहीं होगा जब तक उसे जन्नत में उस्का ठिकाना नहीं दिखा दिया जायेगा, की अगर वो नेक अमल करता होता तो जन्नत में उसे ये जगह मिलती ताकी उस्के रंज़ व अफसोस में और इजाफा हो.